


---

bhUsUktam

——  
भूसूक्तम्

——  
Document Information



---

Text title : bhusuuktam

File name : bhusuuktam.itx

Category : sUkta, veda, svara

Location : doc\_veda

Author : Traditional

Transliterated by : Vijayaraghavan Bashyam <vayasya at yahoo.com>

Proofread by : Vijayaraghavan Bashyam <vayasya at yahoo.com>

Latest update : May 20, 2001

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 22, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



भूसूक्तम्



ॐ ॥ भूमिर्भूमाद्यौर्वरिणाऽन्तरिक्षं महित्वा ।  
उपस्थे ते देव्यदिते ऽग्निमन्नाद-मन्नाद्यायादधे॥  
आऽयङ्गौः पृश्निरक्रमी दसनन्मातरं पुनः ।  
पितरं च प्रयन्त्सुवः॥  
त्रिंशद्धाम विराजति वाक्पतङ्गाय शिश्रिये ।  
प्रत्यस्य वह द्युभिः॥  
अस्य प्राणादपानत्यन्तश्चरति रोचना ।  
व्यख्यन् महिषः सुवः॥  
यत्त्वा क्रुद्धः परोवपमन्युना यदवर्त्या ।  
सुकल्पमग्ने तत्तव पुनस्त्वोद्दीपयामसि॥  
यत्ते मन्युपरोप्तस्य पृथिवी-मनुदध्वसे ।  
आदित्या विश्वे तद्देवा वसवश्च समाभरन् ॥  
मेदिनी देवी वसुन्धरा स्याद्वसुदा देवी वासवी ।  
ब्रह्मवर्चसः पितृणां श्रोत्रं चक्षुर्मनः ॥  
देवी हिरण्यगर्भिणी देवी प्रसूवरी ( प्रसोदरी ) ।  
रसने ( सदने ) सत्यायने सीद ॥  
समुद्रवती सावित्री हनो देवी मह्यङ्गी ।  
महीधरणी महोव्यथिष्ठा ( महोध्यतिष्ठा ) शृङ्गे शृङ्गे यज्ञे यज्ञे विभीषणी ॥  
इन्द्रपत्नी व्यापिनी सुरसरिदिह ( Accent unknown सरसिज इह ) ।  
वायुमती जलशयनी श्रियन्धा ( Accent unknown स्वयंधा ) राजा सत्यन्तो ( धो )  
परिमेदिनी ॥

श्वो॒परि॑धत्त॒ परि॑गाय।(Accent Unknown सो परिधत्तंगाय )  
वि॒ष्णु॒पर्त्वी॑ म॒हीं दे॒वीं मा॒ध॒वीं मा॒ध॒व॒प्रि॒यां ।  
ल॒क्ष्मी॑ प्रि॒यस॒खीं दे॒वीं न॒मा॒म्य॑च्युत॒ व॒ल्लभां ॥  
ॐ ध॒नु॒र्ध॒रायै॑ वि॒द्महे॑ सर्वा॒सि॒द्ध्यै च॑ धीमहि ।  
तन्नो॑ धरा प्रचो॒दयात् ॥

Encoded by Vijayaraghavan Bashyam (vayasya at yahoo.com )

---

—  
*bhUsUktam*

pdf was typeset on December 22, 2023

—  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

